

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/591
दिनांक: 28.06.2023

सेवा मे.

प्रबन्धक,

श्री रणजीत सिंह कालेज ऑफ एजूकेशन विधि,
रौनापार, कादीपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री रणजीत सिंह कालेज ऑफ एजूकेशन विधि, रौनापार, कादीपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपौष्टि योजनान्तर्गत स्नातक स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में) दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात् ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या-2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में संस्था-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या-5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा हैं।
- रिट याचिका संख्या-61859/2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करें।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या-2499/सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- सचिव, बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/653

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
बाबा बैजनाथ जी लॉ कालेज,
गोधपुर किशनदासपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुके अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में बाबा बैजनाथ जी लॉ कालेज, गोधपुर किशनदासपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या-2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या-5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या-51859/2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या-2499/सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- सचिव, बार काउन्सिल 3०फ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इरटीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सम्ब0/2023/624
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
सेण्ट जेवियर्स लॉ कालेज,
मैहनाजपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में सेण्ट जेवियर्स लॉ कालेज, मैहनाजपुर, आजमगढ़ को स्विवितपैरिषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
2. महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवन्धित रहेगा।
3. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
4. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
5. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
6. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
7. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
8. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
9. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
10. उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
11. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. सचिव, बार काउन्सिल ॲफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
4. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
5. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
6. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।

पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब०/2023/650
दिनांक: 20.06.2023



सेवा में

प्रबन्धक,
पं० कन्हैया लाल मिश्र विधि महाविद्यालय,
दुमरी, मर्यादपुर, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में पं० कन्हैया लाल मिश्र विधि महाविद्यालय, दुमरी, मर्यादपुर, मऊ को ख्वितपेषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल०एल०बी० त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संरक्षित के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी हैः—

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेरी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेरी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कार्यों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा अन्यथा की रिप्टि में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 दी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- सचिव, बार काउन्सिल ॲफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू, इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब०/2023/649

दिनांक: 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्री के०एन० सिंह विधि महाविद्यालय,
जीयनपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 रान् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुके अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री के०एन० सिंह विधि महाविद्यालय, जीयनपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तप्राप्ति योजनान्तर्गत स्नातक स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल०एल०बी० त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रही है। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कानियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्ष प्रेषित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगां कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- सचिव, बार काउन्सिल आॅफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/645

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
त्रिलोकी सिंह विधि महाविद्यालय,
रतुआपार, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में त्रिलोकी सिंह विधि महाविद्यालय, रतुआपार, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होती है। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होती।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- सचिव, बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया, 21 राऊज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को मार्क कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सम्ब/2023/644
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
ग्राम समाज विधि महाविद्यालय,
जयस्थली, बाबू की खजुरी, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 1973 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में ग्राम समाज विधि महाविद्यालय, जयस्थली, बाबू की खजुरी, आजमगढ़ को स्वित्तपोषित योजनान्तर्भार्त स्नातक स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. संस्था द्वारा काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात् ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
2. महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
3. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
4. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
5. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
6. रिट यादिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
7. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
8. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
9. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
10. उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
11. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं वार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, वार काउन्सिल ऑफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
5. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
6. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सन्मा/2023/614

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
जयनाथ मेमोरियल लॉ कॉलेज,
हररामपुर, लालगंज, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगरत 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में जयनाथ मेमोरियल लॉ कॉलेज, हररामपुर, लालगंज, आजमगढ़ को स्वैतत्पौष्टि योजनान्तर्गत स्नातक स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल०एल०बी० त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष रवीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात् ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
2. महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कार्यों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
3. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
4. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
5. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
6. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
7. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
8. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
9. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
10. उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
11. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. सचिव, बार काउन्सिल आफ इण्डिया, 21 राउज एपेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
4. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
5. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
6. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि. / सम्ब०/2023/613
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्री दुर्गा जी लॉ कॉलेज,
क्यामपुर, मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री दुर्गा जी लॉ कॉलेज, क्यामपुर, मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल०एल०बी० त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

- संस्था बार काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
- महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा एवं अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा हैं।
- रिट यायिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं बार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- सचिव, बार काउन्सिल ॲफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
- निजी सचिव, कुलपति को माऊ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / राम्य०/2023/612
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
बी०बी० राय मेमोरियल विधि महाविद्यालय,
खोरमपुर, बैलऊ, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है, के क्रम में बी०बी० राय मेमोरियल विधि महाविद्यालय, खोरमपुर, बैलऊ, आजमगढ़ को स्ववित्तप्रेरित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अन्तर्गत एल०एल०बी० त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. संस्था द्वारा काउन्सिल आफ इण्डिया नई दिल्ली की अनुमति के पश्चात ही विद्यार्थियों का प्रवेश लेगी एवं कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेंगी कि सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रही हैं। संस्था द्वारा कक्षायें पृथक भवन में चलायी जानी अपेक्षित होगी। संस्था उपरोक्त अवधि में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर लेगी।
2. महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का अनुमोदन एवं प्राचार्य तथा प्रवक्ताओं का अनुमोदन पत्र संविदा पत्र, नियुक्ति पत्र से सम्बन्धित सभी कानियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगाए अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक वर्षों में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
3. शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उत्तिलिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
4. शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
5. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
6. रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
7. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
8. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
9. शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
10. उक्त सम्बद्धता, परीक्षाशुल्क, प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
11. शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं वार काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो विश्वविद्यालय अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

/

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. सचिव, वार काउन्सिल ऑफ इण्डिया, 21 राउज एवेन्यू इस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, कुलपति को मार्क कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
4. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
5. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
6. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय.
आजमगढ़।



प्रांक: महा स. पि.पि. / सम्ब/2023/603

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
बाबू कामता सिंह महाविद्यालय,
लफिया, लालगंज, आजमगढ़।

विषय—महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१८८

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसंचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था /महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामाणी धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अनिश्चयन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होंगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष अ. I.S.H.E का मंजूकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रारंभालय, ११०८ विहारी नगर, बैंगलोर ५६०००९०।

 - निजी सचिव, "कुलपति" को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 - सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 - निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 - क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 - विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कलसचिव

१०८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/642
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
आजमगढ़ महिला महाविद्यालय,
सुदनपुर, गौरापट्टी, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
सहोदय

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में आजमगढ़ महिला महाविद्यालय, सुदनपुर, गौरापट्टी, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि अंग्रेजी, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हानि से सम्बन्धित सभा बैठकों की महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 / सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

- प्रातालापन-** निम्न दो पूरकान्वय के संबंध में जी का विवरण है।

 1. निजी सचिव, कुलपति को माटो कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कूलसचिव

१५

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./ सम्ब0/2023/619
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
अनुपमा राय मेमोरियल कालेज आफ एजुकेशन,
हरईरामपुर, लालगंज, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान/वाणिज्य संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में अनुपमा राय मेमोरियल कालेज आफ एजुकेशन, हरईरामपुर, लालगंज, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित तथा वाणिज्य संकाय में बी0क००५० विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करें।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक.

कृलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सू.वि. / सम्ब0 / 2023 / 656

दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक

बाबा वैजनाथ जी महाविद्यालय,
गोधपुर, किशनदासपुर, आजमग

विषय- महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

प्रकाश्य

महोदय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 1973 की धारा संख्या-14 सन् 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा संख्या-37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपरन्थ को समाप्त कर दिया है, के क्रम में बाबा बैजनाथ जी महाविद्यालय, गोधपुर, किशननदासुपुर, आजमगढ़ को स्ववितापोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में अतिरिक्त माइक्रोबायलोजी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत ड्राइंग एण्ड पेंटिंग (ललित कला), अर्थशास्त्र, मध्यकालीन और विषय माइक्रोबायलोजी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत ड्राइंग एण्ड पेंटिंग (ललित कला), अर्थशास्त्र, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास, विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- प्रदान कर दा गया है—

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कानूनों पर
महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/ नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/632
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
श्री बद्री प्रसाद महाविद्यालय,
आरिफपुर, आजमगढ़।

विवरणों में सामृद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

विषय-

महोदय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम श्री बड़ी गयी है-

- गयी है:-

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- निजी सचिव, कुलपति को माझे कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 - सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 - निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 - क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 - विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कूलसचिव

४५

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सन्म0/2023/652
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
चौरी बेलहा महाविद्यालय,
तरवाँ, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान/ वाणिज्य संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरुनुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम चौरी बेलहा महाविद्यालय, तरवाँ, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान व विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, गणित एवं वाणिज्य संकाय में बी0कॉर्म0 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, समाजशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्णत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्णत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राधिकारों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन0ओसी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैंक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

/
कुलसचिव

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को माओ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक महा सु वि वि / सम्ब० / 2023 / 609
दिनांक 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
भगवान आदर्श महाविद्यालय,
चक्रपाणीपुर, कनैला, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान/वाणिज्य संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) / सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घास 37(2) के परन्तु, के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वनुस्मिति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है, के क्रम में भगवान आदर्श महाविद्यालय, चक्रपाणीपुर, कनैला, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्मु विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय में एम0कॉम0 विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपर्यन्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अरथात् सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की रिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अरथात् मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैंक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की रिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसंचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / 611
दिनांक: २९.०६.२०२३

सेवा में,
प्रबन्धक,
ग्राम समाज महाविद्यालय,
जयस्थली, बाठू की खजरी, आजमगढ़।

विषय- महाविद्यालय को स्थानक स्तर पर विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१५८

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/ पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में ग्राम समाज महाविद्यालय, जयस्थली, बाबू की खजूरी, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनानात्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में स्थायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
 2. शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 3. शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
 5. रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 / सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 8. शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 10. शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.U.E का पंचीकरण करकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मातृ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/626

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
डी०ए०वी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर व्यवसायिक संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम डी०ए०वी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आजमगढ़ को स्ववित्तप्रेषित योजनात्मक स्नातक स्तर पर व्यवसायिक संकाय में बी०वी०ए० तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के अन्तर्गत— अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, भौतिक विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी हैः-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन०ओ०सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीप

कुलसचिव

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/618
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
माँ हरिदासी स्मारक महिला महाविद्यालय,
छित्तेपुर, आजमगढ़।

विषय-मानविकीनशीलता को समाजक विद्या पर्याप्त करना संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१४८

महादय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 1973 की धारा संख्या-14 (सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के प्रत्युक्त के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में माँ स्मरिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी समिति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

- सम्बद्धता का सहपंचायत्र प्रदान पर या नया है।

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसंघिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अनिश्चयन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष

प्रतिलिपि:- निम्न को सच्चार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रातालाप-** निम्न पाठ वृद्धकारी एवं अवृद्धकारी के लिये उपयोगी है।

 - निजी सचिव, कुलपति को. मा० कुलपति जी के सज्ञानार्थ।
 - सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 - निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 - क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 - विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कलासचिव

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/597

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
भोला भगौती डिग्री कालेज,
द्वारिकापुर, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संस्थाधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में भोला भगौती डिग्री कालेज, द्वारिकापुर, मऊ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, गृहविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, गणित व वनस्पति विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तें एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्रविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/588
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
हरि ऊँ महाविद्यालय,
अतरैठ, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में हरि ऊँ महाविद्यालय, अतरैठ, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अंग्रेजी, गृहविज्ञान, हिन्दी सहित्य, संस्कृत विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- एन030400सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि. / सम्ब0/2023/508
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
हरि ऊँ महाविद्यालय,
अतरैठ. आजमगढ़।

— यहाँ संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

विषय—
स्वेच्छा

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हान से सम्बन्धित सभी वर्गों का अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851/सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267/70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859/2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499/सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रातालप-** निम्न पांच रूपोंमें से कौनसा एक है।

 1. निजी सचिव, कुलपति को माओ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसुशिल

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।*



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/643

दिनांक: २४.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
इन्दू महिला महाविद्यालय,
पुष्टनगर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में इन्दू महिला महाविद्यालय, पुष्टनगर, आजमगढ़ में स्ववित्तपोषित योजनात्मक स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षास्त्र, हिन्दी, गृहविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, उच्च राजनीतिशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तौन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.री., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संरक्षा द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में परित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/636
दिनांक: १०.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
जे.पी.आर. गल्स डिग्री कालेज,
सेठवल, रानी की सराय, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की व्याया 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में जे.पी.आर. गल्स डिग्री कालेज, सेठवल, रानी की सराय, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में भूगोल, गृहविज्ञान एवं विज्ञान संकाय में प्राणि विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन.ओ.सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
/
कुलसचिव

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मारो कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/649
दिनांक: २४.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्री कोएन० सिंह विधि महाविद्यालय,
जीयनपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय) के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घास संशोधन (अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घास 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री कोएन० सिंह विधि महाविद्यालय, जीयनपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल०एल०बी० को एल० सिंह विधि महाविद्यालय, जीयनपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विधि संकाय में एल०एल०बी० के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संख्या द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/प्राविधिका संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधिकानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्रिमशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- निजी सचिव, कुलपति को मार्ग कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



Scanned with OKEN Scanner

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

५४८

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य प्रिश्वविद्यालय
आजमगढ़।



पत्रिका महा सुवित्ति / सम्बोध / 2023/1640
दिनांक 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धकः
जगपति महिला महाविद्यालय,
अमारी, गोपालपर, मेहनगर, आजमगढ

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर रस्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में प्रमोटरग

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्र-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा गैरिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/ पूर्व में सचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुके अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्यानुमति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है। के क्रम में जगपति महिला महाविद्यालय, अमारी, गोपालपुर, मेहनगर, आजमगढ़ को स्ववित्तापोषित योजनानार्त्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, भूगोल व गृहविज्ञान विषयों/ पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्थानी सम्बद्धता की सहाय आधार पर कायापरिषिद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहायता की गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हानि से सम्बद्धता के बारे में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रदेश प्रतिवर्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उत्तिलिखित सुसंगत दिग्गज-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ध प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता रद्द हो सकती है।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समरत सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष
 - A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परासनातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अरथात् मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय ७: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की रिथति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सुचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रातालापन- निम्न गति सूची के अनुसार-

 1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थी।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय

१४

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



फॉर्म क्र. महा.सु.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / 637
दिनांक: २७.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्री कमलनाथ सिंह महाविद्यालय,
बरोही, फत्तेहपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को राज्य पर विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) / सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों / पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (ट्रिटीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री कमलनाथ सिंह महाविद्यालय, बरोही, फत्तेहपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तप्रेषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित विषयों / पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए विज्ञान, संस्कृति की संस्कृति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन / संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संख्या द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था / महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन / नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली / अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं गानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पंत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य / प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

/
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.स.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / 651

दिनांक: १८.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
महादेव रामसोच कृषक महाविद्यालय,
सिपाह इन्डिया हिमाबाद, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम महादेव अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय रामसोच कृषक महाविद्यालय, सिपाह इब्राहिमाबाद, मऊ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- द्वारा निम्नालिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता का तहन रखा है।

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/सविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कामियों का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अनिश्चयन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष
 - A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एनओसी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाद्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कृलसाचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/620

दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
क्रान्ती महिला विश्वविद्यालय,
बैरमपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) /सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में क्रान्ती महिला विश्वविद्यालय, बैरमपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी साहित्य, गृहविज्ञान विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 /सत्तर—2—2003—16(92) /2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 /70—2—2005—2(166) /2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 /70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 /सत्तर—2—2013—2(650) /2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12 /2015 /450 /सत्तर—2015—16(33) /2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 /सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन030403ी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

188

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

४५८

कूलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.आ.वि.वि. / सम्बो / 2023 / ६०८

दिनांक: 2A-06-2023

सोला अंक

प्रवन्धक,
मॉ बुद्धा नेशनल महाविद्यालय,
निजामाबाद, आजमगढ़।

— ने वार्षिक योग्य कला / विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

३८४

- प्रदान कर दा या ८:-

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कोभया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.R का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी संचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. संचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



प्रांक: महा संविधि / सम्बोधी / 604

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
महर्षि बाबा लोदी दास महाविद्यालय,
खरहट, मऊ।

विद्युत वितरण के लिए विभिन्न विधियों में सम्बन्धित प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

विषय-

महोदय, उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) /सत्र-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से एवं इसके बाद आवाहन में लागू होने वाली नियमों के संशालन हेतु सत्र प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (ट्रिटीय

नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रम के संचालन हतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबंध को समाप्त कर दिया है। के क्रम में महर्षि बाबा लोदी दास महाविद्यालय, खुरहट, मऊ को स्वचित्पोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय अंग्रेजी, उर्दू भूगोल, एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय ज्ञानर्थित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/साचदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से यथार्थता। महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रयेश प्रतिवर्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267/70-2-2005-2(166)/2002 ठी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125/70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859/2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तर्थों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499/सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.L.S.H.E का प्रांगीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:- निज को सच्चनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- प्रातालाप-** निम्न पाठ सूचनाएँ इस जारीकरण के बाद आवश्यक होती हुई हैं।

 1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कलसचिव


कॉलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/627
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
मुबारकपुर गर्ल्स डिग्री कालेज,
अलीनगर मुबारकपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषय में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में मुबारकपुर गर्ल्स डिग्री कालेज, अलीनगर मुबारकपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तप्रेषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय के अतिरिक्त विषय अर्थी में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तें एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राप्त धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- निजी सचिव, कुलपति को माठ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ । १११

प्रेषक

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि. / सम्ब०/2023/617
दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
मुनेश्वर देवनन्दन यादव महिला महाविद्यालय,
अकबरपुर, बिलरियागंज, आजमगढ़।

अकबरपुर, बिलारियागंज, आजमगढ़।

विषय- महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के प्रभारी ने इसे
महोदय, अपारदेश संख्या-1103(1) / सत्र-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 प्राप्त है। उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 प्राप्त है। इस विधायिका के अधीन अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुको अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपरबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में मुनेश्वर देवनन्दन यादव महिला महाविद्यालय, अकबरपुर, बिलरियांगज, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय राजनीतिशास्त्र, उर्दू शारीरिक शिक्षा एवं विज्ञान संकाय में कम्प्यूटर साइंस विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा अधिनियम के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हान सम्बद्धता रहा।
 - महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/ नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. निजी संचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. संचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१४

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

ਪੰਥਕ

कुलसचिव
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़।



प्राप्ति संख्या / दार्शन / 2023 / 601

पत्राक महा सूचिव. / ०१-४८/
दिनाक २९.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
मिर्जा अहसानुल्लाह बेग निरवॉ महिला महाविद्यालय,
अन्जानशहीद, आजमगढ़।

— विषय संस्कार के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में

विषय-

उपर्युक्त विधायक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा ईक्रिक मत्र 2014-15 से महोदय। उपर्युक्त विधायक के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय नवीन महाविद्यालयों पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 1973 की धारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के प्रन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपरबंध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में मिर्जा

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हान संस्थानित सभा द्वारा दिया जायेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसंचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सामन्थ में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बद्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का प्रांगीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कूलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि. / सम्ब0/2023/639
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
माँ मुराती बालिका महाविद्यालय,
बलरामपुर, आजमगढ़।

(विषयां वै विषयों में सम्बन्ध प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।)

विषय-

महोदय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) /सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/ पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय सशोधन) अधिनियम 1973 की धारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में मुश्ती बालिका महाविद्यालय, बलरामपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तिपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में भूगोल, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, गृहविज्ञान एवं विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- हे—

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हान से सम्बन्धित सभी कागजाएँ।
महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या—2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या—5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या—61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या—12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
महाविद्यालय की अधीन होगी।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या—2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रदिविषि— विच्छ को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को माझे कुलपति जी के संज्ञानार्थी ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी ।
 5. विश्वविद्यालय की वैबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु ।

१५

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/647
दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
अल परवेज गर्ल्स डिग्री कॉलेज,
अमिलो खास नगर पालिका मुबारकपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में अल परवेज गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अमिलो खास नगर पालिका मुबारकपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान व भूगोल विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- निजी सचिव, कुलपति को मार्ग कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/628

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
पं० नगीना स्मारक महाविद्यालय,
जोकहरा, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कृषि संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) /सत्तर-6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में पं० नगीना स्मारक महाविद्यालय, जोकहरा, आजमगढ़ को स्ववित्तप्राप्ति योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कृषि संकाय के अन्तर्गत बी0एस0सी0 कृषि विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी चार वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 /सत्तर-2—2003—16(92) /2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 /70—2—2005—2(166) /2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 /70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 /सत्तर-2—2013—2(650) /2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12 /2015 /450 /सत्तर—2015—16(33) /2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 /सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. निजी सचिव, कुलपति को मार्ग कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा सु. वि. / सम्ब० / 2023 / 616

दिनांक: 20-06-2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
पं० पंचदेव उपाध्याय महाविद्यालय,
भवतर चक भवतर गम्भीरपुर, लालगंज, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वनुमति दिये जाने के उपर्यन्थ को रामापात्र कर दिया है, के क्रम में पं० पंचदेव उपाध्याय महाविद्यालय, भवतर चक भवतर गम्भीरपुर, लालगंज, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, हिन्दी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समर्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, 'कुलपति' को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



Scanned with OKEN Scanner

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/595
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
राजदेव पानमती मल्ल महिला महाविद्यालय,
मखदुमपुर, लालनपुर, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में राजदेव पानमती मल्ल महिला महाविद्यालय, मखदुमपुर, लालनपुर, मऊ को स्ववित्तापोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामाणी धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सम्ब0/2023/634
दिनांक: २४.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
पार्वती महिला पी०जी० कालेज,
दोहरीघाट, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान/वाणिज्य संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम पार्वती महिला पी०जी० कालेज, दोहरीघाट, मऊ को स्वतंत्रपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में बी०कॉम० एवं विज्ञान संकाय में माइक्रोबायोजी, कम्प्यूटर साइंस तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग, राजनीतिशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास एवं विज्ञान संकाय में वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय 2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 /सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 /70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समात समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अप्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन०ओ०सी के क्रमांक 08 के क्रम में परासनातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

कुलसचिव

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मातृ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सन्धि/2023/625
दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
फूलचन्द्र ग्रामीण महिला महाविद्यालय,
नरहनखास, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम फूलचन्द्र ग्रामीण महिला पी०जी० कालेज, नरहनखास, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में संस्कृत एवं विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अभिनशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- एन०ओ०सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



प्राचीक समाज संविति / सम्बोधन / 2023 / 596

दिनांक 28-06-2023

सेवा में

प्रबन्धक,
बाबू परमानन्द राय स्मारक महाविद्यालय,
सेठवल, रानी की सराय, आजमगढ़।

विभिन्न संस्कृत विद्यालयों द्वारा कला / विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

विषय-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कानून वा महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859/2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अरिनशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499/सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का प्रांगीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कलासचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सच्चनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- प्रातालाप।—नम्न का रूपनाम इस जापरवक पाठमाहा हुआ गया।

 1. निजी सचिव, कुलपति को माठ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब/ 2023/590
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
रामबद्न सिंह महिला महाविद्यालय,
रौनापार, कादीपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) / सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में रामबद्न सिंह महिला महाविद्यालय, रौनापार, कादीपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, उर्दू, ड्राइंग एण्ड पैटिंग एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, गणित व वनस्पति विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सर्वो स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 /सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय

कुलसचिव

JK

कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्र०

कूलसधि व,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पंजाक महासूचि. / सप्तम / 2023 / 605

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में

प्रबन्धक,
राजदेव कृषक महाविद्यालय,
काशीपुर, सूराई, सठियोंव, आजमगढ़।

— विद्या के सामने जब एक संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१८४

महादय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा गैंधीजीक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (गैंधीजी संस्थान) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घास 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है, के क्रम में शाजदेव

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्था की रिथ्ति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्चित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुर्संगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रायोगिक धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एन0ओ0सी के क्रमांक 08 के क्रम में परासनातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेगें अन्यथा की रिथ्ति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्चित रहेगा।

भवदीय

कृलस्यचिव

प्रतिलिपि:- निम्नको सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मार्ग कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसंघिय,
महाराजा सुरेन्द्र देव राज्य विश्वविद्यालय
आजगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/606
दिनांक: 28-06-2023

सेवा में,
प्रबन्धक,
रामधन दामोदर महाविद्यालय,
कलाशा, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महादय,
उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के प्रन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में राम्भन दामोदर महाविद्यालय, कसारा मऊ को स्ववित्तपौष्टि योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र, भूगोल, गृहविज्ञान, हिन्दी साहित्य, समाजशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार हिन्दी साहित्य, समाजशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्थीरता प्रदान कर दी गयी है:-

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष प्रतिबन्धित रहेगा।
 - A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एनओसी के क्रमांक 08 के क्रम में परानातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रारंभिक-** निज का गूँह तो है।

 1. निजी सचिव, कुलपति को माठ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/1654

दिनांक: १८.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
साई महाविद्यालय,
छत्तरपुर, अहिरोली, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में सौंई महाविद्यालय, छत्तीरपुर, अहिरौली, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनानात्मक स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, महाविद्यालय, छत्तीरपुर, अहिरौली, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनानात्मक स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिवद गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिवद दी द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
 2. शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 3. शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 5. रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 8. शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 10. शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A I S H F का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कूलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. निजी सचिव, कुलपति को मातृ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब०/2023/615
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
रामधारी स्मारक महाविद्यालय,
मीरपुर गोधना, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) / सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की पुर्वानुमति दिये जाने के उपवन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में रामधारी स्मारक महाविद्यालय, मीरपुर गोधना, मऊ को स्ववित्तप्रेषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, गणित व वनस्पति विज्ञान विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की रिधति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समर्थ—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समर्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीप

कुलसचिव

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को माऊ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।



कुलसचिव



Scanned with OKEN Scanner

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/638
दिनांक: ११.०६.२०२३

सेवा में,
प्रबन्धक,
रामसुन्दर पाण्डेय महाविद्यालय,
गजियापुर, झज्जु।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1) / सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों / पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संस्थाधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम रामसुन्दर वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, पाण्डेय महाविद्यालय, गजियापुर, मऊ को स्ववित्तपौष्टि योजनानात्मगत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में दिनांक 21-07-2022 से आगामी तीन दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त दिये गये हैं:-

- महाविद्यालय तात्परता १५८
 - महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवर्ष प्रारंभ होना चाहिए।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संख्या विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संख्या/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूख धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एन030०१ के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

कालखण्डित

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलदीप सिंह चौहान

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि./सम्ब0/2023/599

दिनांक: 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
संजय सुहाविद्यालय,
उदियावां, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में संजय महाविद्यालय, उदियावां, आजमगढ़ को स्ववित्तप्रेषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में प्राचीन इतिहास, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, हिन्दी, संस्कृत, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की रिथति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रदेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुरांगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तें एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होंगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

/

कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/657
दिनांक: १८.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
सन शाइन गर्ल्स डिग्री कालेज,
पांती जैगहा, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1) / सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में सन शाइन गर्ल्स डिग्री कालेज, पांती जैगहा, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय शिक्षाशस्त्र, भूगोल व चित्रकला विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के अधीन पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851 / सत्तर—2—2003—16(92) / 2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267 / 70—2—2005—2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125 / 70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट यांचिका संख्या—61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522 / सत्तर—2—2013—2(650) / 2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12 / 2015 / 450 / सत्तर—2015—16(33) / 2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499 / सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0/2023/621
दिनांक: २९.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
सन्तानूला छोटू यदुवंशीय महाविद्यालय,
भेगवा, जलालपुर, सचुई, मऊ।

— जिसे सारक उत्तर प्रदेश विभाजन संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१८६

- अधान अस्थाया सम्बद्धता का सहप स्पॉट्रू प्रयोग कर रहा है।

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभा कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष 1 Lakh रुपए का उत्तराधिकारी कर्पोरेशन द्वारा प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

मनिक्षिप्तः— निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रातिलाप**— निम्न परामर्शों के बारे में विवरण देते हैं।

 - निजी सचिव, कुलपति को मातृ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 - सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 - निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 - क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 - विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कलसचिव

कुलसंचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / 633
दिनांक: २४.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
सर्वोदय महिला डिग्री कालेज,
घोरठ, हरखंशपुर, आजमगढ़।

विषय- महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय

- की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 / सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करें।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामुख धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष प्रतिवर्ष प्रतिबन्धित रहेगा।
 - A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एनओसी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

- प्रातालायः—** नन्न का सूधनाय एवं जापना।

 1. निजी सचिव, कुलपति को माठ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./राम्ब0/2023/598
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
सरस्वती शान्ति महाविद्यालय,
रानीपुर रजमों, बिन्द्राबाजार, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में सरस्वती शान्ति महाविद्यालय, रानीपुर रजमों, बिन्द्राबाजार, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल व गृहविज्ञान विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्रिमान प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन0ओ०सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा सु.वि.पि / सम्ब०/2023/607

दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
शारदा शान्ती महाविद्यालय,
बनकटा (बसगित), आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा संशोधन (अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में शारदा शान्ती महाविद्यालय, बनकटा (बसगित), आजमगढ़ को स्ववित्तपौष्टि योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, हिन्दी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति राज्यपरिषद द्वारा 'अनुमोदन' के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2(166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में परित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी संचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. संचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रैषकः

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि. / सम्ब0 / 2023 / 646
दिनांक: २०.०६.२०३

सेवा में

प्रबन्धक,
शान्ति देवी महिला महाविद्यालय,
भगवानपुर, मदियापार, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होगा। महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 2. शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 3. शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संरक्षा द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था /महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 5. रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/ नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 /सत्तर-2-2013-2(650) /2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी, जायेगी।
 8. शासन के पत्र संख्या-12 /2015 /450 /सत्तर-2015-16(33) /2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अभिनशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होंगी।
 10. शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष

A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय पर उत्तरांश देना।

प्रतिक्रिया:- जिस्त को सच्चार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- प्रातिलाप:-** निम्न का सूचनाच १५ जूलाय २०१३ की तिथि पर उत्तर विद्यालय के वेबसाईट पर उपलब्ध होता है।

 1. निजी संचिव, कुलपति को माँ० कुलपति जी के संज्ञानार्थी।
 2. संचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय

१५

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/623
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
शिव प्रशिक्षण संस्थान,
जौगहों, शेखपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में शिव प्रशिक्षण संस्थान, जौगहों, शेखपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, गृहविज्ञान, राजनीतिशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी हैं:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अप्रिशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



Scanned with OKEN Scanner

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/635
दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
सर्वोदय पी0जी0 कालेज,
घोसी, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के विषय में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में सर्वोदय पी0जी0 कालेज, घोसी, मऊ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय शारीरिक शिक्षा में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को माऊ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव

महाराजा सूहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / ६१०
दिनांक: 29-06-2023

सेवा में

प्रबन्धक,
श्री शारदा महाविद्यालय,
खोरम्पुर, बेलख, आजमगढ़।

विषय- महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कृषि संकाय के विषयों में राम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१८५

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक-01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 में नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (टिटीय संशोधन) अधिनियम 1973 की आग संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की आग 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्यानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्री शारदा महाविद्यालय, खोरभपुर, बैलऊ, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनानार्तगत स्नातकोत्तर स्तर पर कृषि संकाय में शास्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, प्रसार, कृषि अर्थशास्त्र विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आदार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

- प्रदान कर दा गया है—
 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/सविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होन से सम्बद्धता दी जाएगी। महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्ते निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्रविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - एनओसी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय
कलासंचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रातालाप-** निजी सचिव, कुलपति को मार कुलपति जी के सज्जानाथ।

 - निजी सचिव, कुलपति को मार कुलपति जी के सज्जानाथ।
 - सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 - निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 - क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 - विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

१८

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/630
दिनांक: 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्री शारदा माता प्रसाद डिग्री कालेज,
मईखरगपुर, उबारपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर वाणिज्य संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की द्वारा शारदा माता प्रसाद डिग्री कालेज, मईखरगपुर, उबारपुर, आजमगढ़ को स्वतंत्रपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत—एम0काम0 पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

- महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
- शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
- शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
- रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर—2—2013—2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
- महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
- शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
- उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
- शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- एन0ओ०सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- गिजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
- सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।


कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/648
दिनांक: १०.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
शिवशक्ति महिला महाविद्यालय,
कमालपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की द्वारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की घारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपर्युक्त को समाप्त कर दिया है, के क्रम में शिवशक्ति महिला महाविद्यालय, कमालपुर, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, उर्दू, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान व अंग्रेजी, समाजशास्त्र, उर्दू, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिवर्त गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिवर्त द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/आधारेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविद्यानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष कुलसचिव का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

A.I.S.H.E का पंजीकरण

कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय

कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/622

दिनांक: 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्याम करन स्मारक महाविद्यालय,
सैफपुर उर्फ बाजनपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्याम करन स्मारक पी०जी० कालेज, सैफपुर उर्फ बाजनपुर, आजमगढ़ को रूचितपूर्णित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रम में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अनिश्चयन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय

कुलसचिव

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. निजी सचिव, कुलपति को मार्ग कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब/2023/629
दिनांक: २०.०६.२०२३

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्यामसुन्दरी महिला महाविद्यालय,
दुबारी (मोलनापुर), मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्यामसुन्दरी महिला महाविद्यालय, दुबारी (मोलनापुर), मऊ को स्वचित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, गृहविज्ञान, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुरक्षात दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्त निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन.ओ.सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छः माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेगें अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

प्रतिलिपि:— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को माओ कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/631
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
सीताराम रामानन्द स्मारक महाविद्यालय,
सर्वेदा, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान संकाय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तु के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुरानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम सीताराम रामानन्द स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सर्वेदा, आजमगढ़ को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय अंग्रेजी, संस्कृत एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र, भूगोल, हिन्दी विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन/दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन000सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेंगे अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./साम्ब/2023/602

दिनांक: 20.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
श्यामबिहारी लालचन्द्र महाविद्यालय,
आजमपुर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला / विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर—6—2014, दिनांक—01 अगरत 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014—15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा संशोधन) अधिनियम 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या—14 सन् 2014) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में श्यामबिहारी लालचन्द्र महाविद्यालय, आजमपुर, आजमगढ़ को खवित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, व गृहविज्ञान एवं विज्ञान संकाय भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित में विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी तीन वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद गणित में विषयों/पाठ्यक्रमों के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन अस्थायी सम्बद्धता की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है—

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय सीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर—2—2003—16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70—2—2005—2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70—2—2005—2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण—पत्र प्रतिवर्द्ध प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर—2015—16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अप्नेशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होंगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर—4—2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय
कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,
कुलसचिव,
महाराजा सुहैल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि. / सम्ब0 / 2023 / 641
दिनांक: २०.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
सर्वोदय पी०जी० कालेज,
घोसी, मऊ।

विषय— महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के कृषि पाठ्यक्रम में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

- कुलपाते जो द्वारा निम्नालाखत शत के अधान अस्थाया सम्बद्धता का पालन करता है।

 - महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कामया का महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 - शासनादेश संख्या-2851 / सत्तर-2-2003-16(92) / 2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 - शासनादेश संख्या-5267 / 70-2-2005-2(166) / 2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 / 70-2- 2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 - रिट याचिका संख्या-61859 / 2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522 / सत्तर-2-2013-2(650) / 2012 दिनांक-30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 - यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 - महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 - शासन के पत्र संख्या-12 / 2015 / 450 / सत्तर-2015-16(33) / 2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 - उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 - शासन के पत्र संख्या-2499 / सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष प्रमाण पत्र सम्बद्धता कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- प्रतीतालाप-** निन्म का शुद्धारपि इनका उत्तर प्रदेश विभाग के अधिकारी हैं।

 1. निजी सचिव, क्षुलपति को मात्र कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कलासचिव



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.पि. / सम्ब0/2023/660
दिनांक: २८.०६.२०२३

सेवा में

प्रबन्धक,
स्वामी सहजाननद सरस्वती शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान,
जिवली, आजमगढ़।

विषय— सांस्कृतिक अलगुनी को स्नातक स्तर पर कला / विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

१५८

- का सहयोग पूर्ति प्रयोग कर दिया।
 1. महाविद्यालय संर्दिन्मत विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त हान संबद्धता के बारे में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
 2. शासनादेश संख्या-2851 /सत्तर-2-2003-16(92) /2002, दिनांक-02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
 3. शासनादेश संख्या-5267 /70-2-2005-2(166) /2002 टी.सी., दिनांक-16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या-5125 /70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक-21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
 5. रिट याचिका संख्या-61859 /2012 में पारित आदेश दिनांक-20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/ विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
 6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
 7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
 8. शासन के पत्र संख्या-12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक-12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में भाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
 9. उक्त सम्बद्धता प्राभूत धनराशि, एन.बी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
 10. शासन के पत्र संख्या-2499 /सत्तर-4-2022 दिनांक-02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A I S H F. का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रतिलिपि:- निम्न को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. निजी सचिव, कुलपति को माठ कुलपति जी के संज्ञार्थ।
 2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
 3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
 4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
 5. विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु।

भवदीय
कुलसचिव

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

प्रेषक,

कुलसचिव,
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़।



पत्रांक: महा.सु.वि.वि./सम्ब0/2023/608
दिनांक: 28.06.2023

सेवा में,

प्रबन्धक,
अलट्रा मार्डर्न गलर्स डिग्री कालेज,
मेहनगर, आजमगढ़।

विषय— महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर पर कला/विज्ञान संकाय के विषयों में सम्बद्धता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या—1103(1)/सत्तर-6-2014, दिनांक—01 अगस्त 2014 जिसके द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 से नवीन महाविद्यालयों/पूर्व में संचालित महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार की सम्बद्धता की पुर्वानुमति दिये जाने के उपबन्ध को समाप्त कर दिया है, के क्रम में अलट्रा मार्डर्न गलर्स डिग्री कालेज, मेहनगर, आजमगढ़ को स्ववित्पाणित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अतिरिक्त विषय अंग्रेजी, भूगोल एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान व गणित विषयों/पाठ्यक्रमों में दिनांक 01.07.2023 से आगामी दो वर्षों के लिए सम्बद्धता समिति की संस्तुति के आधार पर कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदन के उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नलिखित शर्तों के सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है:-

1. महाविद्यालय संदर्भित विषयों में प्रवक्ताओं का अनुमोदन/संविदा का प्रमाण पत्र के प्राप्त होने से सम्बन्धित सभी कमियों को महाविद्यालय तीन माह में पूरा कर लेगा, अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।
2. शासनादेश संख्या—2851/सत्तर-2-2003-16(92)/2002, दिनांक—02 जुलाई 2003 में उल्लिखित सुसंगत दिशा—निर्देशों एवं इस विषय में समय—समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों का पालन करेगा।
3. शासनादेश संख्या—5267/70-2-2005-2(166)/2002 टी.सी., दिनांक—16.11.2002 एवं शासनादेश संख्या—5125/70-2-2005-2 (166) 2002, दिनांक—21.10.2005 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. संस्था विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्था/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तें निरन्तर पूरी कर रहा है।
5. रिट याचिका संख्या—61859/2012 में पारित आदेश दिनांक—20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या—522/सत्तर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक—30 अप्रैल 2013 का अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
6. यदि संस्था द्वारा मूल विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, अधिनियम 1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गयी सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
7. महाविद्यालय की भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि एवं तथ्य गोपन सम्बन्धी तथ्य प्रकाश में आने पर सम्बद्धता स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. शासन के पत्र संख्या—12/2015/450/सत्तर-2015-16(33)/2015 दिनांक—12 जून 2015 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवक्ताओं आदि से सम्बन्धित समस्त सूचना अपलोड करेंगे।
9. उक्त सम्बद्धता प्रामूल धनराशि, एन.वी.सी. प्रमाण पत्र, अग्निशमन प्रमाण पत्र से सम्बन्धित तथ्यों के सत्यापन के अधीन होगी।
10. शासन के पत्र संख्या—2499/सत्तर-4-2022 दिनांक—02 नवम्बर 2022 में दिये गये निर्देश के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष A.I.S.H.E का पंजीकरण कराकर उसका प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. एन030सी के क्रमांक 08 के क्रम में परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि महाविद्यालय छ: माह की अवधि में नैक मूल्यांकन सम्पन्न करा लेगें अन्यथा की स्थिति में अगले शैक्षिक सत्र में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, कुलपति को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु।

कुलसचिव